

विषय— पालि

(कक्षा—9)

कोविड—19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र—2021—22 में विद्यालयों में समय से पठन—पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:—

- 1-गद्य पालिजातकावलि (पाठ से 5 से 6 तक)
- 2-पद्य धम्मपद (पाठ—5)
- 3- सहायक पुस्तक— बोधिचर्या विधि (महामंगल गाथा)
- 4-निबन्ध— जम्बूदीपो, सारनाथो

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है—

विषय—पालि

कक्षा—9

इस विषय में प्रश्न—पत्र 70 अंकों का केवल एक प्रश्न—पत्र तीन घण्टे का होगा।

- 1 गद्य—पालिजातकावलि (पाठ 1 से 4 तक) 15
 - (क) दो अवतरणों में से किसी एक अवतरण का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। 2+8=10
 - (ख) किन्हीं दो जातकों में से किसी एक जातक की कथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में। 05
- 2-पद्य धम्मपद (यमक वग्गो से पुप्फवग्गो तक) 15
 - (क) दो गाथाओं में से किसी एक गाथा का हिन्दी अनुवाद। 05
 - (ख) दो वग्गों में से किसी एक वग्ग का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में सारांश। 05
 - (ग) धम्मपद के पाठ 1 से 4 के अन्तवर्ती गाथा का लेखन जो इस प्रश्न पत्र में न आयी हो। 05
- 3-सहायक पुस्तक बोधिचर्या विधि— (परित्राण परिच्छेद से आवाहन तक) 10

(किसी एक गाथा की हिन्दी व्याख्या अथवा पूजा विधि का वर्णन)।
- 4-व्याकरण 3+2+5+5=15
 - (क) शब्द रूप—
 - i. पुल्लिङ्ग—बुद्ध, पुरिस।
 - ii. स्त्रीलिङ्ग—लता, रति।
 - iii. नपुंसकलिङ्ग—फल, अट्ठि।
 - (ख) धातु रूप वर्तमान काल—

पठ, गम, चुर, रूध सक, हिंस
 - (ग) संधि—स्वर संधि
सरो लोपो सरे, परो क्वचि, न द्वे वा, यवा सरे, ए ओ नं।
 - (घ) समास—

तत्पुरुष एवं बहुब्रीहि की सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण।
- 6-अनुवाद 05

हिन्दी के पाँच वाक्यों का वर्तमान काल की क्रिया में अनुवाद
अथवा
निबन्ध— पालि भाषा में पाँच वाक्य लिखना।
भगवा बुद्धो, धम्मपदं, ममविज्जालयो, जम्बूदीपो, सारनाथ चत्तारि अरियसच्चानि।
- 7-पालि साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय— 05

प्रथम संगीति, सुत्तपिटक—दीघनिकाय, मज्झिमनिकाय, संयुक्तनिकाय, अंगुत्तरनिकाय, खुद्दकनिकाय।
निर्धारित पुस्तकें—

 - (1) पालिजातकावलि— सम्पादक, प्रो० बटुक नाथ शर्मा, प्रकाशक, मास्टर खेलाड़ीलाल संकटा प्रसाद वाराणसी।
 - (2) धम्मपद— सम्पादक, भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक—महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी।
 - (3) सिंगालोवाद सुत्त— अनुवाद, डॉ० भिक्षु स्वरूपानन्द सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली।
 - (4) पालि प्रबोधिनि— अद्यादत्त ठाकुर प्रकाशक—पुस्तक माला, लखनऊ।

- (5) मैनुअल ऑफ पालि-सी0सी0 जोशी, प्रकाशक ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना ।
- (6) पालि महाव्याकरण- भिक्षु जगदीश कश्यप,-महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी ।
- (7) पालि व्याकरण- भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञान मण्डल लिमिटेड वाराणसी ।
- (8) पालि का साहित्य का इतिहास- भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञान मण्डल लिमिटेड वाराणसी ।